जय श्री श्याम जय श्री श्याम

(तर्ज : वादा न तोड़ ....)

जय श्री श्याम जय श्री श्याम
तेरा कलियुग में है बड़ा नाम
खाटु तेरो धाम, पानीतोला धाम
जय श्री श्याम, जय हनुमान

टाबरीया न बाबा संग म्हें ल्यावां
नाचा कुदां थान भज़न सुनावां
तेरे दर्शन का प्यासा बाबा श्याम
जय श्री श्याम.....

महाभारत म बाबा बल दिखलायो
शीश को दान दियो दानी कहलायो
थार शीश न पुज यो जहान
जय श्री श्याम.....

फागन मेलों बाबा लगे अती भारी
दूर-दूर स आव नर नारी
तेरे जयकारा स गुजें धाम
जय श्री श्याम.....

ग्यारस न थारी सारी रात जगांवा
बारस न बाबा थार भोग लगांवा
म्हाने दरश दिखाज्यो बाबा श्याम
जय श्री श्याम.....

'श्याम मण्डल' थांसू अरज करे है
मेले म आज्यो बाबा मन तड़पे है
थार आन-स बनल्यो म्हारो काम
जय श्री श्याम जय.....